



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 685]  
No. 685]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 4, 2005/आषाढ़ 13, 1927  
NEW DELHI, MONDAY, JULY 4, 2005/ASADHA 13, 1927

## पर्यावरण और वन मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 2005

का.आ. 942(अ).—केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उप-नियम (3) के खंड (घ) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उप-धारा (1) और उप-धारा (2) के खंड (v) के अधीन जारी भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 60(अ), तारीख 27 जनवरी, 1994 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा किसी क्रियाकलाप के विस्तारण या आधुनिकीकरण पर या किसी परियोजना के आरंभ किए जाने पर तब तक कतिपय निर्बंधन और प्रतिबंध अधिरोपित करती है जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा पर्यावरण संबंधी अनापत्ति न दे दी जाए;

और उक्त नियमों के नियम 5 के उप-नियम (4) में यह उपबंध किया गया है कि जब कभी केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ऐसा करना लोकहित में है तो वह उक्त नियमों के नियम 5 के उप-नियम (3) के खंड (क) के अधीन सूचना की अपेक्षा से छूट प्रदान कर सकेगी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त नियमों के नियम 5 के उप-नियम (3) के खंड (क) के अधीन सूचना की अपेक्षा से छूट प्रदान करना लोकहित में है;

अतः केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उप-नियम (4) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 की धारा 3 की उप-धारा (1) और उप-धारा (2) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(i) पैरा 1 के अंत में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु यह कि पर्यावरण संबंधी पूर्व अनापत्ति के बिना इस अधिसूचना की अनुसूची 1 में मद 1, 2, 3, 19 और 20 के सामने यथासूचीबद्ध क्रियाकलापों के विस्तारण या आधुनिकीकरण से संबंधित उन परियोजनाओं के लिए, जो 27 जनवरी, 1994 के पश्चात् आरंभ की गई हों, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय, मामला-दर-मामला के आधार पर, लोकहित में पर्यावरण संबंधी पूर्व अनापत्ति अभिप्राप्त करने की अपेक्षा में छूट दे सकेगी और अपना समाधान करने के पश्चात् अनुसूची 2 में विहित प्ररूप में आवेदन की प्राप्ति पर दो वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए अस्थायी कार्यकरण अनुज्ञा अनुदत्त कर सकेगी जिसके दौरान प्रस्तावक अधिसूचना में अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार अपेक्षित पर्यावरण संबंधी अनापत्ति प्राप्त करेगा। अस्थायी कार्यकरण अनुज्ञा प्रदान करने से अनिवार्य रूप से यह विवक्षित नहीं होगा कि उक्त परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी अनापत्ति अनुदत्त की जाएगी।”

(ii) पैरा 2 के उप-पैरा III में खंड (ग) के पश्चात् अंत में निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु यह कि अनुसूची 1 की मद 1, 2, 3, 19 और 20 के सामने सूचीबद्ध क्रियाकलापों के विस्तारण या आधुनिकीकरण से संबंधित ऐसी परियोजनाओं को जिनके संबंध में अस्थायी कार्यकरण अनुज्ञा अनुदत्त कर दी गई है, लोकहित में अस्थायी कार्यकरण अनुज्ञा की विधिमान्य अवधि के दौरान प्रचालन जारी रखने की अनुज्ञा दी जाती है। ऐसी अस्थायी कार्यकरण अनुज्ञा पर्यावरण अनापत्ति प्रदान किए जाने या उसे अस्वीकार किए

जाने की तारीख से या दो वर्ष की समाप्ति पर इनमें से जो भी पूर्वतर हो स्वतः समाप्त हो जाएगी।”

[फा. सं. एल-11011/7/2004-आई ए-II (I)]

आर. चन्द्रमोहन, संयुक्त सचिव

**पाद टिप्पण :** मूल अधिसूचना का. आ. 60(अ) तारीख 27 जनवरी, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसमें का. आ. 356(अ) तारीख 4 मई, 1994, का. आ. 318(अ) तारीख 10 अप्रैल, 1997, का. आ. 73(अ) तारीख 27 जनवरी, 2000, का. आ. 1119(अ) तारीख 13 दिसंबर, 2000, का. आ. 737(अ) तारीख 1 अगस्त, 2001, का. आ. 1148(अ) तारीख 21 नवंबर, 2001, का. आ. 632(अ) तारीख 13 जून, 2002, का. आ. 248(अ) तारीख 28 फरवरी, 2003, का. आ. 506(अ) तारीख 7 मई, 2003, का. आ. 891(अ) तारीख 4 अगस्त, 2003, और का. आ. 1087(अ) तारीख 22 सितंबर, 2003, द्वारा पश्चातवर्ती संशोधन किए गए।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th July, 2005

**S.O. 942(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests No. S.O. 60(E), dated 27th January, 1994 (hereinafter referred to as the said notification) issued under Sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) of Section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with clause (d) of sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government imposed certain restrictions and prohibition on the expansion or modernization of any activity or the undertaking of any project, unless environment clearance has been granted by the Central Government;

And whereas, sub-rule (4) of rule 5 of the said Rules provides that, whenever it appears to the Central Government that it is in the public interest to do so it may dispense with the requirement of notice under clause (a) of sub-rule (3) of rule 5 of the said Rules;

And whereas, the Central Government is of the opinion that it is in public interest to dispense with the requirement of notice under clause (a) of sub-rule (3) of rule 5 of the said Rules;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) and clause (v) of Sub-section (2) of Section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 read with sub-rule (4) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986 the Central Government hereby makes the following further amendments in the said notification, namely:—

In the said notification:—

(i) In paragraph 1, the following proviso shall be inserted in the end, namely:—

“provided that for projects relating to expansion or modernization of activities as listed against items 1, 2, 3, 19 and 20 in Schedule-I of this notification taken up after 27th January, 1994, without prior environmental clearance, the Central Government in the Ministry of Environment and Forests may, on case to case basis, in public interest, relax the requirement of obtaining prior environmental clearance and may, after satisfying itself, grant temporary working permission on receipt of application in the prescribed format in Schedule-II, for a period not exceeding two years, during which the proponent shall obtain the requisite environmental clearance as per the procedure laid down in the notification. The grant of temporary working permission would not necessarily imply that the environmental clearance shall be granted for the said project.”

(ii) In paragraph 2, in sub-para III, after clause (c), the following provision shall be added at the end, namely:—

“provided that for projects relating to expansion or modernization of activities listed against items 1, 2, 3, 19 and 20 in Schedule-I, in respect of which temporary working permission has been granted, in public interest, such projects would be permitted to continue to operate during the validity period of the temporary working permission. Such temporary working permission shall automatically cease from the date of grant or rejection of environment clearance or at the expiry of two years whichever is earlier.”

[File No. L-11011/7/2004-IA-II(I)]

R. CHANDRAMOHAN, Jt. Secy.

**Foot Note:—** The Principal Notification was published *vide* number S.O. 60(E) dated the 27th January, 1994 and subsequently amended *vide* number S.O. 356(E) dated the 4th May, 1994, S.O. 318(E) dated the 10th April, 1997, S.O. 73(E) dated the 27th January, 2000, S.O. 1119(E) dated the 13th December, 2000, S.O. 737(E) dated the 1st August, 2001, S.O. 1148(E) dated the 21st November, 2001, S.O. 632(E) dated the 13th June, 2002, S.O. 248(E) dated the 28th February, 2003, S.O. 506(E) dated the 7th May, 2003, S.O. 891(E) dated the 4th August, 2003 and S.O. 1087(E) dated the 22nd September, 2003.